SSP/06/01/10

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

सत्संग प्रविण

प्रश्नपत्र – १

पूर्वाध्न ९:०० से १२:००] (रविवार, १९ जुलाई, १९९८) **कुल अंक : १००**

सूचना : दायीं ओर प्रश्न के अंक लिखे हैं ।

(विभाग – १ श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना)

प्र.१. निम्नलिखित किन्हीं भी दो विषयों के सन्दर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजीए। **६**

१. श्रीजी महाराज का सर्वोपरिपन – परमहंसो के वचनों के आधार पर।

२. भगवान व्यापक होते हुए मूर्तिमान किस रीति से है?

३. प्रगटकी भक्ति का महिमा।

४. अक्षरब्रह्म – एक व अद्वितीय।

प्र.२. निम्नलिखित किन्हीं दो प्रसंगो का वर्णन कर सिद्धांत लीखिए। (बारह पंक्तियों में) **८**

१. वाघा खाचर को निरावरण द्रष्टि हुई।

२. रामानन्द स्वामीने लालजी सुथार को उलाहना दिया।

३. श्रीजी महाराजने पूछा, ''तुम हमें भगवान क्यों कहते हो ?''

४. अठारह गुदडीयों का भार।

प्र.३. निम्नलिखित किन्हीं दो विषयों पर विवरण लिखिए। (बारह पंक्तियों में) **८**

१. श्रीजी महाराज का सर्वोपरिपन – श्रीमुख के वचनों के आधार पर।

२. ब्रह्मरुप होने की आवश्यक्ता।

३. गुणातीत संत के लक्षण।

४. दिव्यभाव समझने की आवश्यक्ता।

प्र.४. निम्नांकित में से किन्हीं दो विषय में कारण लीखिए। (बारह पक्तियों मे) **८**

१. अक्षरपुरुषोत्तम की उपासनावाले स्थान में ही है, विमुख नहीं।

२. मुक्तानंद स्वामीने गाँव जाना टाल दिया।

३. कल्याणके मार्ग में उपासना मुख्य साधन है।

४. भगवान को सर्व कर्ता समझना चाहिए।

प्र.५. *उपासना में क्या नहीं समजना?* **८**

प्र.६. *स्वामिनारायण एक ही शब्द है तथापि व्युत्पत्ति भिन्न क्यों है?* **५**

प्र.७. निम्नंकित किसी भी एक विषय पर टिप्पणी लीखिए। **५**

१. श्रीजी महाराज की साकार स्वरुप में रुचि।

२. अक्षरब्रह्म के साकार स्वरुप।

३. अनन्य निष्ठा तथापि सर्व के लिये आदर।

(विभाग – २ सत्संग वाचनमाला – ३ तथा प्रेरणामूर्ति प्रमुख स्वामी महाराज)

प्र.८. निम्न लिखितमें से किन्हीं दो के अवतरण, किसने, किस को तथा कब कहा है यह लीखिए। **६**

१. ''अब त्याग वैराग्य की बातें मुझ से नहीं होंगी।''

२. ''कणबी के लडके और कुकडें भुखे नहीं मरते।''

३. ''तुम को कोई न पहिचानें, एसा कर दें तो?''

४. ''कुछ खाने के लिए है? आज तो मुझे भी भूख लगी है। ईसलिए खाएँ।''

प्र.९. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के कारण लीखिए। (बारह पंकितयों में) **८**

१. *मुक्तानन्द स्वामी ने 'भ्रह्मणा माँगी रे हैयानी .....' किर्तन बनाया।*

२. *गोपालानन्द स्वामीने हनुमानजी को पधरीया।*

३. *निष्कुलानंद स्वामी गढाली चले गये।*

४. *मेंगणी के मानभा द्रढ सत्संगी हुए।*

प्र.१०. निम्नांकित में से किन्हीं दो विषयों पर विस्तार से विवरण लीखिए।८

१. *शिवलाल सेठ का संयम।*

२. *कुशलकुंवरबा की अनन्य प्रेम भक्ति।*

३. *प्रमुख स्वामी महाराज का दासपन।*

४. *समागम के प्यासी रघुवीरजी महाराज।*

प्र.११. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लीखिए। ६

१. *दर्शन के प्यासी कुशलकुंवरबाने श्रीजी महाराज से कौन सा प्रश्न पूछा?*

२. *रघुवीरजी महाराजने अचिंत्यानन्द ब्रह्मचारी से किस ग्रन्थ की रचना कराई ?*

३. *पर्वतभाईने खट्रस का नियम किसलिए लिए थे ?*

४. *शास्त्री नारायणस्वरुपदास को प्रमुख पद का सन्मान कब और कहाँ प्राप्त हुआ ?*

५. *गोपालानन्द स्वामीने धामगमन के समय शिवलाल सेठ को क्या सिफारिश की ?*

६. *'अनूप संतने आपुं उपमा.....', ईस कीर्तन के रचयिता कौन है ?*

प्र.१२. निम्नलिखित में से किसी एक प्रसंग का वर्णन कर के संक्षेप में भावार्थ लिखिए। (बारह पंक्तियों में) ४

१. *अनिडो! घी की गन्ध आती है।*

२. *गोपालानन्द स्वामीने ग्रहण को रोक दिया।*

३. *प्रमुख स्वामी महाराज समाचार मिलते ही अटलादरा से सारंगपुर पधारें।*

(विभाग - ३ निबन्ध)

प्र.१३. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर लगभग ६० पंक्तियों में निबन्ध लीखिए। २०

१. *कथावार्ता - सत्संग का अनुपम आधार स्तम्भ।*

२. *आदर्श संत - प्रमुख स्वामी महाराज।*

३. *अभिशाप व आशीर्वाद - टेलीविजन व घरसभा।*

✿ ✿ ✿